तैयारी

छात्रों की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में बढ़ेगी रुचि, राजकीय पॉलिटेक्निक में होंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

वाराणसी और आगरा में बसेगी साइंस सिटी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को तकनीकी ज्ञान के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाया जाएगा। इसके तहत प्रदेश में विज्ञान पार्क, साइंस सिटी और नक्षत्रशालाओं की स्थापना की जाएगी।

इस क्रम में वाराणसी और आगरा में साइंस सिटी विकसित की जाएंगी। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक में एआई सेंटर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और स्मार्ट क्लास बनेंगे। प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। इसमें आगरा और वाराणसी में 25-25 करोड़ से साइंस सिटी व नक्षत्रशाला की स्थापना की जाएगी।

इसका उद्देश्य युवाओं को न केवल देश की इंडस्ट्रीज के लिए तैयार करना, बल्कि वैश्विक स्तर पर मांग वाले कौशल से भी जोड़ना है।

इसी तरह तकनीकी और बेहतर व्यवसायिक शिक्षा देने के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक में एआई सेंटर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्मार्ट क्लास की स्थापना होगी और पहले से चल रही लैब को अपग्रेड किया जाएगा। वर्तमान में प्रदेश में डिप्लोमा स्तर की 184 राजकीय संस्थाएं चल रही हैं। जहां युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही 36 नए राजकीय पॉलिटेक्निक निर्माणाधीन हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 100 करोड़

यहां पर अभी तक 251 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं। वहीं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 100 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी है। स्मार्ट क्लासरूम और प्रयोगशालाओं के नवीनीकरण के लिए 10 करोड़, एआई सेंटर के लिए एक करोड़ खर्च किया जाएगा। इसी तरह राजकीय आईटीआई को भी अपग्रेड किया जा रहा है ताकि यहां के छात्रों को बेहतर आधुनिक सुविधा दी जा सके।